भारत सरकार
विदेश मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या – 5667

दिनांक 27.03.2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

भारतीय नागिरकों की आपातकालीन निकासी

5667. श्री राजकुमार रोत

क्या **विदेश मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पिछले दस वर्षों के दौरान विदेशों में युद्धों/आपात स्थितियों के समय भारतीय नागरिकों की सुरक्षित निकासी के लिए संचालित किए गए ऑपरेशनों का ब्यौरा क्या हैं;
(ख) रूस-युक्रेन और यू.एस.ए.-इजराइल-ईरान संघर्षों सहित ऐसे देशों से भारत वापस लाए गए भारतीय छात्रों, श्रमिकों और अन्य नागिरकों की संख्या कितनी है;
(ग) सरकार या संबंधित एजेंसियों द्वारा प्रति यात्री लिए गए शुल्क का ऑपरेशन-वार ब्यौरा क्या हैं;
(घ) क्या सराकार के संज्ञान में यह बात आई हैं कि आपातकालीन निकासी के दौरान कुछ मामलों में उच्च शुल्क लिए जाने या आर्थिक रूप से कमजोर नागरिकों को प्रर्याप्त प्राथमिकता न मिलने के संबंध में शिकायतें प्राप्त हुई हैं और यदि हां, तो इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की गई है; और
(ड.) क्या सरकार का भविष्य में ऐसी आपात स्थितियों में विदेशों में रहने वाले भारतीय छात्रों और श्रमिकों की नि:शुल्क या राजसहायता देकर निकासी सुनिश्चित करने के लिए कोई नीति तैयार करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विदेश राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क) से (ग) सरकार विदेशों में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। पिछले दस वर्षों में सरकार ने युद्धों/संघर्षों/आपात स्थितियों के दौरान भारतीय नागरिकों को निकालने के लिए अनेक अभियान चलाए हैं। प्रत्येक ऑपरेशन/निकासी का संदर्भ और आधार अलग-अलग होता है। निकासी/ऑपरेशनों का विवरण और निकाले गए भारतीय नागरिकों की संख्या अनुबंध-I में संलग्न है। अमेरिका-इजराइल-ईरान संघर्ष के दौरान, सरकार ने 21 मार्च 2026 तक पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र से वाणिज्यिक उड़ानों (गैर-अनुसूचित उड़ान संचालन सहित) के माध्यम से 3.75 लाख से अधिक भारतीय यात्रियों की वापसी में सहायता की है।
(घ) एवं (ङ) सरकार को मौजूदा स्थिति के दौरान भारतीय नागरिकों के लिए उपलब्ध कराए गए विभिन्न संपर्क माध्यमों के ज़रिए पूछताछ प्राप्त हुई है। विदेश मंत्रालय के विशेष नियंत्रण कक्ष में प्राप्त की गई पूछताछ

में परिवार/मित्रों/संबंधियों से संपर्क करने में सहायता से लेकर उपलब्ध यात्रा विकल्पों की जानकारी, सीमा पार यात्रा की सुविधा, स्थिति का अद्यतन, गलत सूचनाओं का सत्यापन आदि शामिल हैं। इन प्रश्नों को क्षेत्र में स्थित संबंधित भारतीय दूतावासों और कोंसलावास को त्वरित कार्रवाई के लिए भेजा जा रहा है। सरकार स्थानीय परिवहन, सीमा पार आवागमन, पारगमन वीजा आदि की सुविधा प्रदान करके भारतीय यात्रियों को उपलब्ध वाणिज्यिक उड़ानों में यात्रा करने में सहायता कर रही है। सरकार प्रत्येक आपात स्थिति का समाधान जमीनी स्थिति और परिस्थितियों के अनुसार करती है और विदेश में भारतीयों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए उचित कार्रवाई की जाती है।

अनुबंध- I

विगत 10 वर्षों में सरकार द्वारा की गई निकासी/ऑपरेशन का विवरण

वर्ष	ऑपरेशन संबंधी देश और नाम	निकाले गए भारतीय नागरिकों की कुल संख्या
2015	**नेपाल** ऑपरेशन *मैत्री*	3975
2015	**यमन** ऑपरेशन *राहत*	6688 *(1947 विदेशी नागरिकों सहित)*
2016	**दक्षिण सूडान** ऑपरेशन *संकट मोचन*	156 (*कुछ विदेशी नागरिकों सहित*)
2018	**यमन** ऑपरेशन *निस्तार* (भारतीय नौसैनिक ऑपरेशन)	38
2020	**मालदीव, ईरान और श्रीलंका** ऑपरेशन *समुद्र सेतु* (भारतीय नौसेना ऑपरेशन)	3992
2020-2022	**वंदे भारत मिशन (वैश्विक)**	3.20 करोड़ *(1.594 करोड़ लोग उतरे और 1.608 करोड़ लोग चढ़े)*
2021	**अफ़ग़ानिस्तान** ऑपरेशन *देवी शक्ति*	669 (*इसमें 15 दूसरे विदेशी नागरिक और 206 अफ़गान नागरिक शामिल हैं, जिनमें अफ़गान हिंदू/सिख अल्पसंख्यक के सदस्य भी शामिल हैं*)
2022	**यूक्रेन** ऑपरेशन *गंगा*	18,282
2023	**सूडान** ऑपरेशन *कावेरी*	4,097 (*136 विदेशी नागरिकों सहित)*
2023	**इज़राइल**	1,343 *(14 ओसीआई कार्ड धारक और 20*

	ऑपरेशन *अजय*	*विदेशी नागरिक शामिल हैं)*
2024	**हैती** ऑपरेशन *इंद्रावती*	17
2024	**कुवैट** *(मृत भारतीय नागरिकों की विशिष्ट मानवीय एयरलिफ्ट)*	45 (*पार्थिव शरीर)*
2025	**ईरान** ऑपरेशन *सिंधु*	3597
2025	**इज़राइल** ऑपरेशन *सिंधु*	818
2024-25	**सीरिया**	86
2022-2025	**इराक**	135
2025	**श्रीलंका** *(ऑपरेशन सागर बंधु - एचएडीआर ऑपरेशन)*	424 (*भारतीय वायुसेना के विशेष विमानों द्वारा निःशुल्क निकाले गए*) और 2076 (*वाणिज्य उड़ानों द्वारा सुविधा प्रदान की गई*)

*****